NES High School, Bhandup
III Preliminary Examination

Date : 08/02/2019 Sub : Hindi (Full) Marks :50
Std. : X Div : No. of Pages : 06 Time : 1Hr 30mins

प्र.१ पठित परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है और कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज-काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे-ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश, वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण-पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं-किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के व्यवसाय के मूल्यों में बहुत फर्क है।

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। ऐसा होते हुए भी दुर्भाग्य यह है कि श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा नहीं और उनको अपना जीवन प्रायः कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

१) (०२)

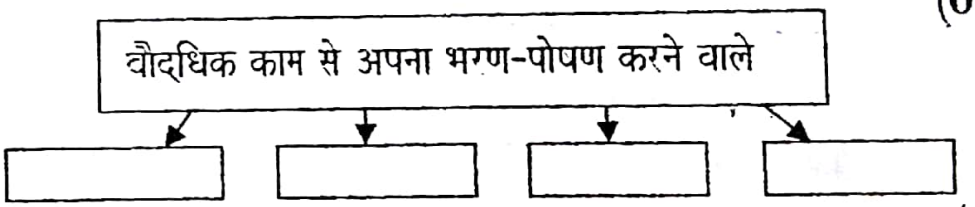

२) एक शब्द में उत्तर लिखिए। (०१)

१) किसका जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है ?

२) किसकी मजदूरी एवं आमदनी कम है ?

३) निम्नलिखित वाक्य सही / गलत पहचानकर लिखिए। (०१)

१) समाज के व्यवहार के लिए बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है।

२) बुद्धिजीवियों को अपना जीवन प्रायः कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

४) १. निम्नलिखित शब्दों से कृदंत बनाइए। (०१)

१) कमाना : २) पढ़ :

२. निम्नलिखित शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। (०१)

१) न्याय करने वाला : २) खेती करने वाला :

५) 'श्रम ही सफलता का मूलमंत्र है', इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.२ पठित परिच्छेद पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

एक दिन वोले- "सुनील, मेरी अलमारी काफी वेतरतीव हो रही है, तुम उसे ठीक कर दो और कमरा भी ठीक कर देना।"

मैंने स्कूल से लौटकर वह सव कर डाला। दूसरे दिन मैं स्कूल जाने के लिए तैयार हो रहा था कि वावू जी ने मुझे वुलाया। पूछा- "तुमने सव कुछ वहुत ठीक कर दिया, मैं वहुत खुश हूँ पर वे मेरे कुरते कहाँ हैं?"

मैं वोला- "वे कुरते भला! कोई यहाँ से फट रहा था, कोई वहाँ से। वे सव मैंने अम्मा को दे दिए हैं।"

उन्होंने पूछा - यह कौन-सा महीना चल रहा है?

मैंने जवाव दिया - अक्तूवर का अंतिम सप्ताह।

उन्होंने आगे जोड़ा - "अव नवंवर आएगा। जाड़े के दिन होंगे, तव ये सव काम आएँगे। ऊपर से कोट पहन लूँगा न!"

मैं देखता रह गया। क्या कह रहे हैं वावू जी? वे कहते जा रहे थे - "ये सव खादी के कपड़े हैं। वड़ी मेहनत से वनाए हैं वीनने वालों ने। इसका एक-एक सूत काम आना चाहिए।"

यही नहीं, मुझे याद है, मैंने वावू जी के कपड़ों की तरफ ध्यान देना शुरू किया था। क्या पहनते हैं, किस किफायत से रहते हैं। मैंने देखा था, एक वार उन्होंने अम्मा को फटा हुआ कुरता देते हुए कहा था-'इनके रूमाल वना दो।'

प्र.१) १. (०१)

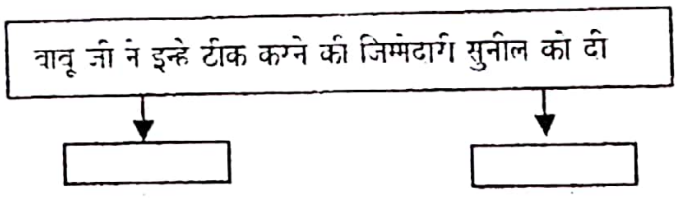

२. (०१)

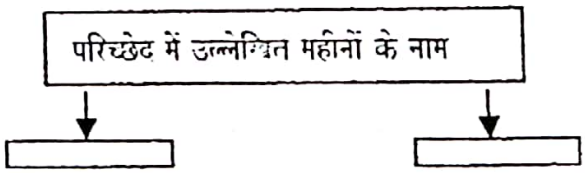

१) उत्तर लिखिए। (०१)

१. कुरते के प्रसंग से शास्त्री जी के इन गुणों (स्वभाव)का पता चलता है।

अ) ..... व) .....

२. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए। (०१)

१)मेरी अलमारी काफी .....

अ) भर गई है।

व) खाली हो गई है।

क) वेतरतीव हो रही है।

Scanned by CamScanner

२)इसका एक-एक सूत ....

अ) काम आना चाहिए।

ब) फेंक देना चाहिए।

क) निकाल देना चाहिए।

३)१. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए। (०१)

१) चल : २) काम :

२. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। (०१)

१) माह : २) धागा :

४) 'सादा जीवन, उच्च विचार', विषय पर अपने विचार लिखिए। (०२)

प्र.३) पठित पदयांश पर आधारित कृतियां पूर्ण कीजिए।

मेरे घर छापा पड़ा, छोटा नहीं बहुत बड़ा
वे आए, घर में घुसे, और बोले-सोना कहाँ है ?
मैंने कहा-मेरी आँखों में है, कई रात से नहीं सोया हूँ
वे गेप में आकर बोले-स्वर्ण दो स्वर्ण !
मैंने जोश में आकर कहा - सुवर्ण मैंने अपने काव्य में बिखेरे हैं
उन्हे कैसे दे दूँ।
वे झुंझलाकर बोले, तुम समझे नहीं
हमें तुम्हारा अनधिकृत रूप से अर्जित अर्थ चाहिए
मैं मुसकाकर बोला, अर्थ मेरी नई कविताओं में है
तुम्हें मिल जाए तो ढूँढ़ लो
वे कड़ककर बोले, चाँदी कहाँ है ?
मैं भड़ककर बोला- मेरे बालों में आ रही है धीरे-धीरे

१) (०२)

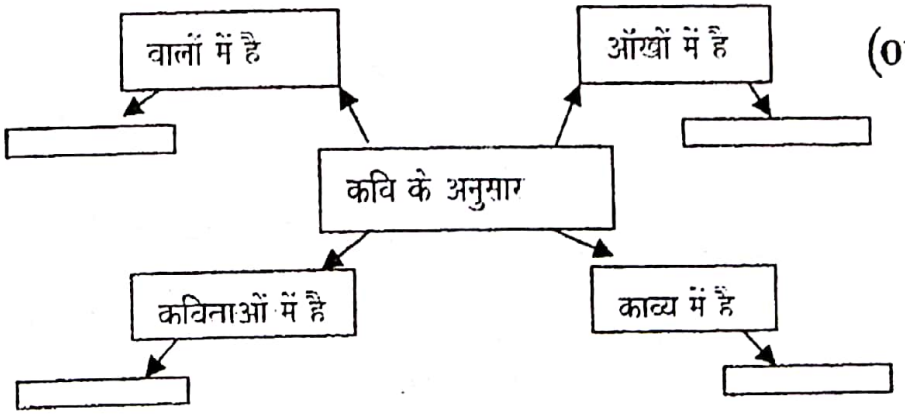

२) १. आकृति पूर्ण कीजिए। (०१)

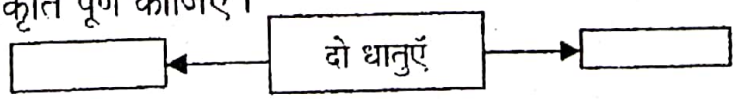

Scanned by CamScanner

२ .निम्नलिखित विधान सही या गलत, लिखिए । (०१)

१) कवि के घर पुलिस का छापा पड़ा ।

२) कवि के बाल सफेद हो रहे हैं ।

३) प्रस्तुत पदयांश की प्रथम वह पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । (०२)

प्र .४ पठित पदयांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।

हरित भूमि तृन संकुल, समुझि परहि नहिं पंथ ।
जिमि पाखंड विवाद तें, लुप्त होहिं सदग्रंथ ॥

चौपाई

दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई । वेद पढ़हिं जनु बटु समुदाई ॥
नव पल्लव भए बिटप अनेका । साधक मन जस मिले बिबेका ॥
अर्क-जवास पात बिनु भयउ । जस सुराज खल उद्यम गयऊ ॥
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी । करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी ॥
ससि संपन्न सोह महि कैसी । उपकारी कै संपति जैसी ॥
निसि तम घन खद्योत बिराजा । जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा ॥

१) (०२)

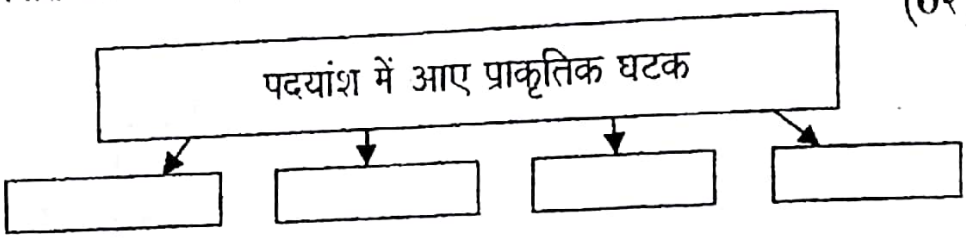

२) उत्तर लिखिए ।

१. (०१)

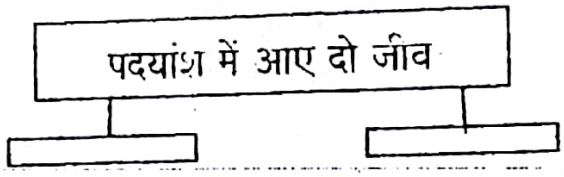

२. (०१)

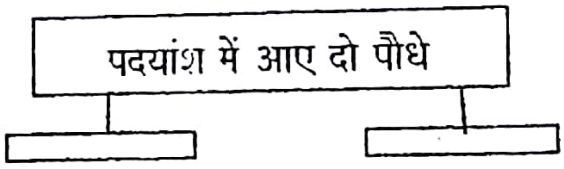

३) पदयांश की प्रथम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । (०२)

प्र .५ पठित पूरक पठन गद्यांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी । दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था । सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आएँ ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े । दो-तीन दिनों में ही मन में सुकून-सा महसूस होने लगा था । वहाँ का

Scanned by CamScanner

प्राकृतिक सौंदर्य, हरे-भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का-सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे।

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे। एक भुट्टेवाला आया और बोला- "साब, भुट्टा लेंगे। गरम-गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा। सहज ही पूछ लिया- "कितने का है ?"

"पॉच रूपये का।"

"क्या ? पॉच रूपये में एक भुट्टा। हमारे शहर में तो दो रूपयें में एक मिलता है, तुम तीन ले लो।"

(०२)

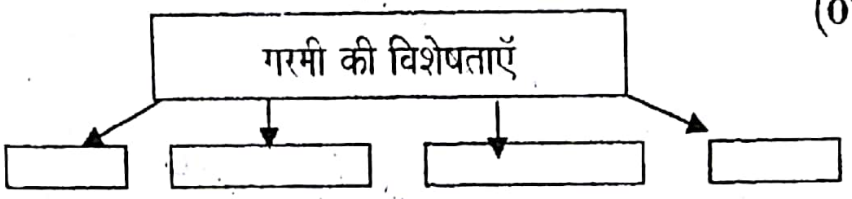

२) अपने पसंदीदा पर्वतीय स्थल की सुंदरता का वर्णन कीजिए। (०२)

प्र.६ निम्नलिखित पूरक पठन पद्यांश पर आधारित कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

वातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हॉ चुप रहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं, जिस धरती की वातें क्या कहिए।

अर्जी क्या कहिए, हॉ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीवाई जी, जन्मी थीं झॉसी की रानी।
रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थीं मर्दानी।
जन्मी थी बीवी चॉद जहॉ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।
सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी वाला।

गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजवूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं.....

१) (०२)

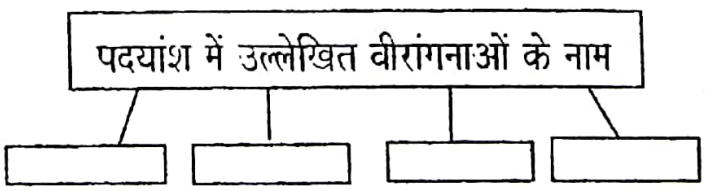

२) 'देश की प्रगति में महिलाओं की भूमिका', इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (०२)

प्र.७ व्याकरण कृतियाँ।

१) अधोरेखांकित शब्दों के भेद लिखिए। (०१)

१. किसी को भी खुद पर अहंकार नहीं करना चाहिए।
२. आप मेरे घर चलिए।

Scanned by CamScanner

२) निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

१. खूबसूरत

३) निम्नलिखित वाक्य में अव्यय शब्द खोजकर उसका भेद लिखिए। (०१)

१. लेखक दर्द के मारे चीख रहा था।

४) तालिका पूर्ण कीजिए। (०२)

	संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
१.	उमेश	.....	.....
२.	.....	सर्प + वर	.....

५) निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (०१)

१) लड़की सुरीला गीत गाती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

६) निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। (०२)

१. सिरचन चुपचाप अपना काम करता है। (आज्ञार्थक वाक्य)

२. क्या शान की सवारी थी। (विस्मयार्थक वाक्य)

७) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए। (०१)

१) जो हम शौक से करना चाहते हैं उसके लिए रास्ता निकाल लेते है

~~प्र.८ नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लेखन कीजिए।~~ (०५)

स्वच्छता अभियान

विशेष अतिथि : नगरसेवक व स्थानिय समाजसेवक	संस्था : स्वच्छ देश, सुंदर देश स्थान : पेरल दिनांक : २ अक्टूबर २०१९ समय : सुबह ७ बजे

.....

Scanned by CamScanner